जोधपुर, 18 मार्च।

इनोवेटिव सिटीज इण्डिया समिट बैंगलुरू की ओर से आयोजित तीन दिवसीय कान्फ्रेंन्स में शिरकत कर महापौर घनश्याम औझा, उपमहापौर देवेन्द्र सालेचा और आयुक्त शिवप्रकाश एम नकाते शनिवार को जोधपर पंहुचे जहां निगम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। महापौर घनश्याम ओझा ने बताया कि इस कान्फ्रेन्स में नगर निगमो से संबंधित विषयो पर विषय विशेषज्ञो की ओर से विशिष्ठ जानकारी दी गई। ओझा ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस मे नगर निगम से संबंधित आय के साधनो पर विस्तृत चर्चा हुई साथ ही पैनल डिसक्शन ओपन हॉऊस चर्चा भी हुई। समिट के बाद राजस्थान के जन–प्रतिनिधियो व अधिकारियों को वृहद बैंगलूरू महानगर पालिका की कार्यप्रणाली जानने हेतु पालिका कार्यालय व वार्ड का भ्रमण किया गया। इस कान्फ्रेन्स में वृहद बैंगलूरू महानगर पालिका के अतिरिक्त आयुक्त पाण्डेराम नायक ने यह जानकारी दी कि बैगलूरू नगर निगम का वार्षिक बजट 7000 करोड़ रूपये है तथा नगर निगम द्वारा 1600 करोड़ रूपये प्रोपटी टैक्स के रूप में आय प्राप्त होती है, भवन निर्माण से 400 करोड़, होर्डिग से 100 करोड़ तथा अन्य करो के रूप में 1000 करोड़ रूपये वार्षिक आय प्राप्त होती है। ओझा ने बताया कि बैंगलुरू में शहर में प्रतिदिन 3500 से 4000 मैट्रिक टन कचरा एकत्रित कर निस्तारित किया जाता है। यह कचरा सूखा व गिला अलग–अलग एकत्रित किया जाता है। गिला कचरा प्रतिदिन तथा सूखा एकान्तरे एकत्रित कर प्रोसेसिंग यार्ड में पहुॅचाया जाता है जहॉ से कचरे से कम्पोज तथा आरडीएफ निर्मित होता है जो सीमेण्ट फैक्ट्री के लिए उपयोगी है। बंहुमजिला इमारतो, होटल तथा रेस्टोरेन्ट को कचरे का निस्तारण स्वयं के स्तर पर करना होता है, जिसके लिए वे कचरा निस्तारण हेतु छोटे–छोटे प्लान्ट स्थापित करते है। उन्होने बताया कि घर–घर कचरा संग्रहण हेतु 189 एन.जी.ओ. कार्यरत है जो शहर के नागरिको को घर–घर कचरा सग्रहण कार्य हेतु मोटीवेट करते है। शहर की कुल आबादी लगभग 1 करोड़ है तथा शहर को 198 वार्डो में विभक्त किया गया है। शहर की सफाई हेतु लगभग 23 हजार कर्मचारी कार्यरत है तथा प्रत्येक वार्ड में सिंग्ल डम्पिंग पद्धति लागू की हुई है। नगर निगम का सारा कार्य ऑन–लाईन सम्पांदित किया जाता है। औझा ने बताया कि वृहद बैंगलूरू महानगर पालिका पूर्ण रूप से कम्प्यूटराइजड है। नगर निगम के सारे काम ऑन लाईन ही सम्पादित किये जाते है।

जोधपुर, 18 मार्च।

नगरनिगम की ओर से राजस्व वसूली के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बकायादारों पर सख्ती करते हुए दो बिल्डिगों को सीज किया है। निगम उपायुक्त कृष्णपालसिंह चौहान ने बताया कि शनिवार को निगम राजस्व निरीक्षक रणवीर देथा, किशन रत्नू, अनिल सियोटा एवं विजेन्द्र की टीम नें यूडी टैक्स नही देने पर भदवासिया स्थित फ्रुट सब्जी मंडी को सीज किया। फ्रुट सब्जी मंडी का करीब 7 लाख रूपये यूडी टैक्स बकाया है वही पावटा ए रोड स्थित आदेश्वरा टावर को भी सीज करने की कार्यवाही की गई। आदेश्वरा टावर का 105223 रूपयों का यूडी टैक्स बकाया है। दोनो भवनों को सीज कर दिया गया है। वही शनिवार को भी निगम कार्यालय खुला रहा और लोगों ने काउटंर पर आकर यूडी टैक्स, लीज डीड राशि और अन्य बकाया करों का भुगतान किया।

रजनीश कुमार सिंह
सचिव